1.3.1

# महिला दिवस
## 8 मार्च 2018

आज दिनाँक 8 मार्च 2018 को समाजशास्त्र विभाग की डॉ. शारदा गर्ग द्वारा विशेष रूप से 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के उपलक्ष्य में व्याख्यानकार्यक्रम रखा गया। जिसमें विभाग के प्राध्यापक के साथ ही महाविद्यालय के डॉ. रैदास, डॉ. भावसार, डॉ. दीपशिखा शेर डॉ. रेखा धीमान, डॉ. शांति श्रीवास्तव, आदि प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों में काशीराम, दीपेश चौधरी, नलिनी सिंह, रचना सिं ने अपने विचार व्यक्त किये। सार में सभी का यह मत था कि वर्ष में एक दिन 'महिला दिवस' के रूप में मनाने से कुछ हासिल नहीं होगा। आवश्यकता है कि हम महिला के मूल्य को समझें।

विद्यार्थियों की उपस्थिति सराहनीय रही।

काशीराम B.A. I st ने आभार व्यक्त किया।

गौतम
विद्यार्थी

डॉ. सुनीता कौरव
विभागाध्यक्ष

डॉ. शारदा गर्ग
प्राध्यापक

PRINCIPAL
Govt Hamidia Arts & Commerce College Bhopal (M.P.)

1.3.1

व्याख्यान

4- दिनांक 28.09.2019

# गाँधी चिन्तन एवं गीता दर्शन

## प्रतिवेदन वर्ष 2019–20

महा0 के संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 28.09.2019 को मध्यान 12:00 बजे कक्ष क्र. ए–11 सभा कक्ष में "गाँधी चिन्तन और गीता दर्शन" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यवक्ता एवं अतिथि डॉ. अच्छेलाल एसो. प्रो. तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति विभाग बरकतउल्ला वि.वि. भोपाल थे। अध्यक्षता महा. के प्राचार्य डॉ. पी.के. जैन ने की। सर्वप्रथम माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम आरंभ किया गया। स्वागत् उद्बोधन एवं विषय का प्रवर्तन करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. रैदास ने गीता दर्शन को सनातन वैदिक परम्पराधारित उपदेश शास्त्र बताया तथा गांधी चिन्तन में गीता का अनुसरण व प्रयोग सिद्ध किया जिसमें बताया गया कि गीता दर्शन वैदिक संहिता ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद, धर्मशास्त्र तथा रामायण एवं महाभारत के सार को अपने वर्ण्य विषय में समेटे हुए है। इस अवसर पर संस्कृत विषय के शोधच्छात्र श्री राघवेन्द्र भदौरिया ने गीता दर्शन में कर्म व ज्ञान योग की महिमा प्रतिपादित की। एम.ए. के छात्र श्री अमित शर्मा ने गीता को सनातन धर्म का प्रतीक बताया। दर्शन विभाग के अध्यक्ष डॉ. जे.एस. दुबे ने गीता को ज्ञान विज्ञान का स्त्रोत व जीवन से सम्बन्धित आचरण पद्धति सिद्ध किया जिसका प्रयोग गांधी जी ने अपनी आचार परम्परा में किया है। सत्य, अहिंसा, दया, परोपकार तथा दीन दुखियों की सेवा एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सत्याग्रह के सिद्धांत गीतादर्शन की शिक्षा पर ही आधारित है। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. विकास जाबलकर ने गीता को ज्ञान का विश्वकोश तथा महात्मा गांधी के चिन्तन को विश्व का श्रेष्ठतम उपदेश सिद्ध करते हुए कहा कि सारा संसार आज गांधी विचार धारा का परीक्षण एवं अनुसरण तथा पालन कर रहा है। मुख्य वक्ता डॉ. अच्दछेलाल ने गीता को सरल और सुबोध भाषा में लिखा गया संक्षिप्त किन्तु सारगर्भित महाभारत का अंश बताया तथा इस गीता के अध्यात्म, कर्मयोग, ज्ञान, सांख्य और ध्यान योग की विस्तृत विवेचना करते हुए गीता को विश्व शांति में सहायक सर्वोत्तम रचना बताया। आपने अपने उद्बोधन में गांधी के अहिंसा और सत्याधारित प्रयोगों को अनेक दृष्टांतों के माध्यम से बुद्ध के उपदेशों से प्रेरित बताया। अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. पी.के. जैन ने विनोबा भावे के आश्रम में रहकर महात्मा गांधी द्वारा किये गये दलितोत्थान, गरीबोद्वार और सामाजिक सुधारों तथा पूरे राष्ट्र

में नवीन चेतना और जागृति लाने के लिए किये गये प्रयासों की चर्चा की तथा उन्हें वर्तमान भारत का निर्माता व विश्व का श्रेष्ठ समाज सुधारक बताया। मंगलाचरण, विभाग की अतिथि विद्वान– डॉ. ऋतु वर्मा एवं पूर्व छात्रा नलिनी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथियों की आभाराभिव्यक्ति विभाग के प्राध्यापक डॉ. जे.एन. त्रिपाठी ने की। इस अवसर पर महाहाविद्यालय के प्राध्यापकगण, विभाग के छात्र/छात्राएं, महाविद्यालय के छात्र एवं कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा।

28.9.19

प्राचार्य

PRINCIPAL
Govt. Hamidia Arts &
Commerce College, Bhopal (M.P.)

विभागाध्यक्ष
संस्कृत

1.3.1

सत्र 2019–20
भोपाल, दिनांक 30.08.2019

2 –

# संस्कृत विभाग
# स्वागत समारोह
# (नव प्रवेशित विद्यार्थियों का प्रतिवेदन)

दिनाँक 30.08.2019 को महाविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं सभागार में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर संस्कृत के छात्र/छात्राओं द्वारा सत्र 2019–20 में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर संस्कृत एवं बी.ए. प्रथम वर्ष संस्कृत में प्रवेशित छात्र/छात्राओं का स्वागत समारोह आयोजित किया गया, जिसमें संस्कृत विभाग के आचार्यगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित हुए इस अवसर पर छात्राओं द्वारा रंगोली का निर्माण भी किया गया। सर्वप्रथम माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण तथा सरस्वती पूजन सभी के द्वारा सम्पन्न किया गया। साथ ही विद्यार्थियों ने विभागाध्यक्ष डॉ. रैदास एवं डॉ. त्रिपाठी का तिलक लगाकर स्वागत किया तथा अन्य छात्र/छात्राओं को भी तिलक लगाकर सबके मंलगमय भविष्य की शुभकामनाएँ व्यक्त की। इसके पश्चात् महाविद्यालय के सभागार में वृहत स्तर पर स्वागत समारोह आयोजित किया गया जिसमें करीब पच्चीस छात्र/छात्राओं ने बढ़ चढकर सहभागिता की एम.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने एम.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को पुष्प एवं लेखनी (कलम) देकर उनका सम्मान किया। इस स्वागत से नव प्रवेशित विद्यार्थीगण अत्यन्त प्रभावित व भाव विभोर हुए। एस.ए. पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों के साथ ही इस आयोजन में अनेक पूर्व छात्र भी सम्मिलित हुए। शोधच्छात्रों की सहभागिता ने इस कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बनाया। एम.ए. पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध के छात्र/छात्राओं ने अपने स्वागत एवं धन्यवाद उद्बोधनों द्वारा कार्यक्रम को अत्यन्त आकर्षक व प्रेरक बनाया। इस अवसर पर विभाग के आचार्य डॉ. जे.एन. त्रिपाठी ने अपने आशीर्वचनों द्वारा छात्रों को सम्बोधित किया एवं निरन्तर उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होने एवं श्रेष्ठ आचरण को जीवन में बनाये रखने की शिक्षा दी। विभाग की अतिथि विद्वान डॉ. ऋतु वर्मा एवं अर्थशास्त्र विभाग की आचार्या डॉ. दीप्ति विश्वास की गौरवमयी उपस्थिति से यह समारोह और ही भव्य एवं आकर्षक बन गया। इस आयोजन में मुख्य सराहनीय भूमिका एम.ए. तृतीय वर्ष के छात्र श्री मुकेश प्रजापति एवं श्री बबलू मेर की रही जिन्होंने वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सभी छात्र/छात्राओं को इस आयोजन के लिए प्रेरित किया। संस्कृत विभाग के सभी आचार्यों ने इस आयोजन की भूरि–भूरि प्रशंसा की तथा इस परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखते हुए छात्रों को प्रेरित किया। इसी के साथ नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं का स्वागत समारोह सम्पन्न हुआ (इस आयोजन का वीडियो एवं फोटो ग्राफ्स भी उपलब्ध हैं।)

1.9.19
विभागाध्यक्ष
संस्कृत

प्राचार्य
PRINCIPAL
Govt. Hamidia Arts & Commerce College Bhopal (M.P.)

1.3.1

दिनांक 05.09.2019

3–

# शिक्षक दिवस
# प्रतिवेदन वर्ष 2019–20

प्रति,

प्राचार्य,
शा0 हमीदिया कला एवं वा0 महा0 भोपाल

विषयः– शिक्षक दिवस प्रतिवेदन की प्रस्तुति।

महोदय,

दिनाँक 05.09.2019 को पूर्वाह्न 11:30 बजे महा0 के संस्कृत विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजित कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. एच.आर. रैदास एवं एम.ए. प्रथम सेमेस्टर तथा तृतीय सेमेस्टर संस्कृत के छात्र/छात्राएँ सम्मिलित हुए। सरस्वती पूजन के उपरान्त एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा–जाह्नवी शर्मा ने सर्वप्रथम गुरूवन्दना प्रस्तुत की तदन्तर गणेश स्त्रोत का पाठ किया एवं शिक्षक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शिक्षक की छात्र के भविष्य निर्माण में महती भूमिका रहती है। अच्छे शिक्षक अपनी उत्तम शिक्षा से छात्रों में अनेक मुसीबतों और कठिनाईयों से संघर्ष करने की क्षमता उत्पन्न कर देते हैं। आपने इस सम्बन्ध में एक दृष्टान्त भी सुनाया। एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रीता कोली ने संस्कृत विभाग की प्रशंसा करते हुए बताया कि मैं यहाँ की शिक्षा पद्धति एवं पारिवारिक वातावरण से अत्यधिक प्रभावित हूँ। मैंने संस्कृत विभाग के बारे में जैसा सुन रखा था वैसा ही पाया। यहाँ की अध्ययन पद्धति ने मेरी दिनचर्या ही बदल दी है। एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की ही छात्रा, कु. माला देशराज ने अपने उद्‌गार में कहा कि इस विभाग के शिक्षकों के व्यवहार ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। यहाँ आकर मैंने अपने क्रोध पर काबू करना सीख लिया है, पहले मुझे बहुत गुस्सा आता था, अब मैं अपने पर नियंत्रण करना सीख गई हूँ। आज मैं बहुत ही खुश हूँ। एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा दुर्गापाली ने कहा कि मैं प्रतिदिन कक्षा में आ रही हूँ और मुझे नितनयी जानकारी मिल रही है। मेरा विभाग में पढाई के प्रति बहुत आकर्षण बढ़ रहा है। अभी तक मुझे इतनी व्यवस्थित पढ़ाई का मौका नहीं मिला था मैं बहुत खुश हूँ। एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र श्री ......संतोष...... ने भी कहा कि

पृ0।

मैंने इस संस्कृत विभाग के बारे में अनेक छात्रों से सुन रखा था कि यहाँ अच्छी पढाई होती है। इसलिए मैंने और मेरी पत्नी ने इस विभाग में प्रवेश लिया हैं यहाँ के अध्यापन और व्यवहारिक ज्ञान से हमें बहुत कुछ आगे बढने का अवसर मिल सकेगा। इस अवसर पर एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र मुकेश प्रजापति एवं बबलू मेर ने भी अपने विचार रखे। अन्त में विभागाध्यक्ष डॉ. रैदास ने अपने गुरूजनों के साथ बिताए गए क्षणों एवं अनुभवों का प्राथमिक स्तर से लेकर एम.ए. तक की अवधि के संस्मरण छात्रों को सुनाए। विशेष कर अपने जीवन निर्माता और संरक्षक तथा मार्गदर्शक गुरू डॉ. मोतीलाल पुरोहित के साथ बिताए गए बीस वर्षों का अनुभव एवं संघर्षों को बताकर छात्रों को इससे प्रेरणा ग्रहण करने की सीख दी। इसी के साथ शिक्षक दिवस कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।(उक्त कार्यक्रम का वीडियो एवं फोटो भी लिये गये हैं।)

5.9.2019

विभागाध्यक्ष
संस्कृत

प्राचार्य
Hamidia Arts & Commerce College, Bhopal (M.P.)